जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 18 संख्याः 355 प्रभात जालोर, बुधवार 3 अप्रेल, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कोटपूतली में ''विजय शंखनाद रैली'' की। इस विशाल जनसभा से प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी के धुआँधार प्रचार अभियान की शुरुआत हो गई है। रैली में सबसे अहम बात यह देखी गई कि, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश भाजपा के प्रमुख नेताओं को मंच पर बुलाकर उनसे मंच पर ही ''वन-टू-वन'' वार्ता की। चित्र में प्रधानमंत्री के साथ मु.मंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ नज़र आ रहे हैं।

'एक तरफ राष्ट्र को लेकर चलने वाली भाजपा है तो दूसरी तरफ देश को लूटने वाली कांग्रेस पार्टी है'

कोटपूतली की विजय शंखनाद रैली में प्रधानमंत्री मोदी के जनता से ''कनैक्ट'' का जादू पूरी तरह से बरकरार दिखा

- **प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ये चुनाव विकसित राजस्थान और विकसित भारत का चुनाव है।**
- **मोदी ने कहा, वर्ष 2019 में पहली चुनावी सभा ढूढांड से शुरू थी और 2024 में भी पहली सभा ढूंढाड़ से ही हुई है। इस बार भी प्रदेश की जनता 25 की 25 सीटें पर भाजपा को जिताने का संकल्प कर चुकी है।**
- **मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस का मतलब है देश की बीमारी की जड़। कोई भी समस्या उठाकर देख लो, जड़ में कांग्रेस ही नज़र आएगी।**
- **जनसभा को राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी संबोधित किया और कहा गरीबों का सही मायने में 2014 में मोदी सरकार आने के बाद ही उत्थान हुआ है। उन्होंने कहा अगर कहीं गारंटी की भी गारंटी है तो वह है प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी।**
- **जनसभा में खास बात यह देखी गई है कि, प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के खास नेताओं को मंच पर बुलाकर उनके साथ वन-टू-वन बात की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया और वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ के साथ प्रधानमंत्री ने मंच पर महत्वपूर्ण चर्चा की।**

जयपुर, 2 अप्रेल। मंगलवार को कोटपूतली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विजय शंखनाद रैली के साथ भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान का आगाज़ किया और कहा कि 2024 के चुनाव में देश की सियासत दो खेमों में बंटी नज़र आ रही हैं। एक तरफ तो राष्ट्र को लेकर चलने वाली भाजपा है तो दूसरी तरफ देश को लूटने वाली कांग्रेस है। एक तरफ देश का परिवार मानने वाली भाजपा है तो दूसरी तरफ एक परिवार को देश से भी बड़ा मानने वाली कांग्रेस है। एक तरफ देश का गौरव बढ़ाने वाली भाजपा है और दूसरी तरफ विदेशों में जाकर देश को गाली देने वाली कांग्रेस है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह सामान्य चुनाव नहीं है, यह तो विकसित राजस्थान और विकसित भारत के संकल्प का चुनाव है।

ये चुनाव भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए है। यह चुनाव भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और विपक्षी दलों के गठबंधन ''इंडिया'' पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग देश के लिए नहीं बल्कि अपने स्वार्थ के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी ने कहा कि ''मैं परिवारवादी पार्टियों और उनके नीतियों पर सवाल उठाता हूं तो मैं उनके निशाने पर हूं। वो मुझे गालियां देते हैं। वो यहां तक कह देते हैं कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। क्या परिवार हो तो भ्रष्टाचार का लाइसेंस मिल जाता है? मेरा भारत मेरा परिवार है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है, ये जुबान के पक्के लोगों की धरती है। इस धरती पर कहना चाहता हूं कि आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। पिछली सरकारों ने जिसे पूछा नहीं, मोदी ने उसे पूजा है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने देश के करोड़ों छोटे किसानों को कभी नहीं पूछा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट की परियोजना को कांग्रेस ने दशकों तक लटकाए रखा, पर भाजपा ने हरियाणा से आने वाले यमुना के पानी की समस्या को भी हल कर दिया है। ये सारे काम हम इसलिए कर पाए, क्योंकि हमारी नीयत सही है। हम ईमानदारी से सेवा का प्रयास करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज देश में भाजपा का मतलब है विकास और समाधान और कांग्रेस का मतलब है देश की बीमारी की जड़। उन्होंने आरोप लगाया कि कोई भी बड़ी समस्या देखेंगे तो उसमें कांग्रेस नजर आएगी। कांग्रेस ने कभी हमारी सेना को आत्मनिर्भर नहीं होने दिया, कांग्रेस के समय में भारत की पहचान दुनिया में सबसे बड़े हथियार आयात करने वाले देश के रूप में थी। आज देश की पहचान हथियार निर्यात करने वाले देश के रूप में बन रही है। कल ही भारत ने हथियार निर्यात में में रिकॉर्ड बनाया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की सफलता के बीच मैंने कभी, ये दावा नहीं किया कि 10 साल में हमने सबकुछ कर दिया, लेकिन ये भी सच है जो काम आजादी के 5-6 दशकों में नहीं हो पाए वो काम हमने करके दिखाए हैं।

सभा के दौरान पीएम मोदी ने आर्टिकल 370 और राम मंदिर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले कहते थे कोई धारा 370 छुएगा तो देश में करंट लग जाएगा। इनको पता नहीं है ये मोदी है. कश्मीर से 370 हटा दिया। उन्होंने कहा कि लोग कहते थे कि राममंदिर का नाम भी लोगे तो देश जल मरेगा, आग लग जाएगी। भव्य राम मंदिर बना, वहां दीये जले, आग नहीं लगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने जयपुर की भी प्रशंसा की और कहा, जयपुर का जलवा तो कुछ दिन पहले जब फ्रांस के राष्ट्रपति यहां आए थे, उस समय मेरे साथ पूरी दुनिया ने देखा है। उन्होंने कहा 2019 में पहली चुनावी सभा भी ढूंढ़ाड़ से शुरू हुई थी। वर्ष 2024 में भी इसी क्षेत्र से चुनावी सभा की शुरुआत हो रही है।

मोदी ने कहा, एक तरफ देश का गौरव बढ़ाने वाली भाजपा है तो दूसरी तरफ विदेशों में भारत को गाली देने वाली कांग्रेस है। राजस्थान निर्णय करने के लिए तैयार है और कहा कि राजस्थान ने 2014 में बीजेपी को 25 की 25 सीटें दी थी। 2019 में भी एन.डी.ए. को 25 की 25 सीटें दी थी और अब 2024 में भी राजस्थान 25 की 25 सीटें देने का फैसला कर चुका है। कभी श्रमिकों, मजदूरों को पूछने के लिए कांग्रेस के पास फुर्सत नहीं थी। मोदी ने उन्हें वन नेशन वन राशन कार्ड सुविधा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या यह ज़मीनी ''फीडबैक'' का असर है?

भाजपा नरम पड़ी, कांग्रेस से इनकम टैक्स की वसूली के मामले में, तथा आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी के मामले में

- **न्यायालय में सरकारी वकील ने कहा कि, कांग्रेस पार्टी के इनकम टैक्स के मामलों को चुनाव के बाद ''डील'' करेंगे। ऐसी जल्दबाजी नहीं है, इन मामलों पर अभी ही कार्यवाही की जाये।**
- **साथ ही, ई.डी. ने आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह की जमानत लेकर रिहाई की मांग के लिये दायर याचिका का कोई विरोध नहीं किया न्यायालय में, और संजय सिंह जेल से रिहा हुए।**
- **सरकार का इन दोनों मामलों में अचानक नरम रुख अपनाने पर हर्ष व विस्मय दोनों है। ऐसा माना जा रहा है कि, केजरीवाल की गिरफ्तारी व ई.डी. की ''सैलक्टिव'' कार्यवाही से काफी बेचैनी सी फैल रही थी, तथा इस बैचेनी को समझकर, सरकार ने इन मामलों में नरम रुख अपनाने का निर्णय लिया है।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अप्रेल। भाजपा ने जन सामान्य के बीच हो रही उसकी आलोचनाओं की प्रतिक्रिया देना शुरु कर दिया है। जिस तरीके से अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी की गई और कांग्रेस के फण्ड्स फ्रीज़ किए तथा आयकर विभाग ने कांग्रेस पार्टी पर शिकंजा कसा, उसका मैसेज सत्तारूढ़ पार्टी के लिए अच्छा नहीं गया। सत्तारूढ़ भाजपा अब बैकफुट पर है तथा सत्ता के दुरुपयोग के कलंक को मिटाना चाहती है। नवनियुक्त दोनों चुनाव आयुक्तों ने सभी राजनीतिक पार्टियों को समान अवसर उपलब्ध करवाने की बात कही है।

सूत्र कहते हैं कि पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आमजन में बढ़ती आलोचना का जवाब देने के लिए पार्टी अपने कदम पीछे खींचकर अपने निर्णयों में संशोधन कर रही है।

कल कोर्ट में एक सरकारी वकील ने कहा कि कांग्रेस के इनकम टैक्स के मसले से लोकसभा चुनावों के बाद निपटा जा सकता है तथा इस प्रकरण को अभी हाथ में लेने की कोई जल्दबाजी नहीं है।

इस मुद्दे से जिस तरीके से अब निपटा जा रहा है, वह अपने आप में एक पूर्ण यू-टर्न है। एक सीनियर नेता ने कहा कि इससे कांग्रेस को एक बड़ी राहत मिली है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के सीनियर नेता संजय सिंह को आज जेल से रिहा कर दिया गया। संजय सिंह को जब जमानत पर रिहा किया गया तब ई.डी. ने इस आधार पर उसका विरोध नहीं किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा सांसद अजय निषाद कांग्रेस में शामिल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अप्रैल। अजय निषाद, जो भाजपा टिकट पर वर्ष 2014 और 2019 में सांसद चुने गए थे, ने मंगलवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय पर कांग्रेस जॉइन कर ली।

अजय कैप्टन जयनारायण निषाद के बेटे हैं। जयनारायण निषाद, कांग्रेस नेता के रूप में मुजफ्फरपुर से चार बार चुनाव जीते थे और और उन्होंने ई.बी.सी. (अत्यधिक पिछड़ा वर्ग) आंदोलन की शुरूआत की थी। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि, अजय के कांग्रेस में आने से पार्टी को पूरे मुजफ्फरपुर और समीपवर्ती इलाकों जैसे कि, दरभंगा, मधुबनी, चंपारण क्षेत्रों में अत्यधिक पिछड़ा वर्ग के मतों के कारण लाभ मिलेगा। बिहार के प्रभारी नेता, मोहन

- **अजय निषाद पूर्व कांग्रेसी नेता कैप्टन जयनारायण निषाद के पुत्र हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साठ साल पुराना राजनीतिक ड्रामा एक बार फिर दोहराया जा रहा है बारामती में

- **1967 में शरद पवार के बड़े भाई बसंत राव पवार, पेज़ैन्ट्स एण्ड वर्कर्स पार्टी के उम्मीदवार क रूप में खड़े हुए थे बारामती से तथा शरद पवार ने उनका विरोध किया था, कांग्रेस के नेता के रूप में।**
- **बसंत राव पवार हार गये थे तथा उस चुनाव ने शरद पवार के राजनीतिक कैरियर की शुरूआत की।**
- **इस बार बारामती से शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले के खिलाफ अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार खड़ी हो गयी हैं।**
- **यह चुनावी दंगल 1960 के दशक के चुनाव से एक मामले में एकदम भिन्न है। इस समय अजीत पवार एक दम अकेले पड़ गये हैं पवार परिवार में, यहां तक कि, अजीत पवार के छोटे भाई भी शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले के पक्ष में हैं तथा सुप्रिया के पक्ष में जमकर काम कर रहे हैं।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अप्रेल। बारामती लोकसभा सीट के लिए सुनेत्रा पवार और सुप्रिया सुले की लड़ाई, साठ के दशक में पवार परिवार में हुए पहले टकराव की याद दिलाती है, जिसमें शरद पवार ने बारामती में अपने भाई वसंतराव पवार के विरूद्ध प्रचार किया था।

शरद पवार की बेटी सुप्रिया अपनी भाभी, अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा के विरूद्ध चुनाव मैदान में हैं, जिसे हाई वोल्टेज प्रतिस्पर्धा के रूप में देखा जा रहा है।

साठ के दशक में शरद पवार और उनके बड़े भाई, वसंतराव पवार, निवर्तमान सांसद केशवराव जेधे की मृत्यु के बाद बारामती के उपचुनाव में एक-दूसरे के आमने-सामने थे।

वसंतराव पैज़ैन्ट्स एण्ड वर्कर्स पार्टी (पी.डब्ल्यु.पी.) की तरफ से चुनाव लड़ रहे थे, जबकि, शरद पवार कांग्रेस के सदस्य व पदाधिकारी थे। हालांकि, शरद पवार चुनाव नहीं लड़ रहे थे, लेकिन, उन्होंने अपने भाई के विरूद्ध प्रचार करने का निर्णय लिया और कांग्रेस के लिए काम किया। उस चुनाव में वसंतराव हार गए और उससे शरद पवार के राजनीतिक जीवन को उछाल मिला और कांग्रेस ने 1967 में उन्हें बारामती से चुनाव मैदान में उतारा, जिसमें पवार विजयी रहे।

चौंसठ साल बाद पवार परिवार वैसी ही स्थिति का सामना कर रहा है। ताई (सुप्रिया सुले) वहिनी (सुनेत्रा पवार) में से एक को चुनना बारामती की जनता के लिए ''धर्म युद्ध'' जैसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शांति धारीवाल की बहू एकता भाजपा जॉइन करेंगी?

कोटा, 2 अप्रेल (नि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल की बहू एकता धारीवाल के भाजपा जॉइन करने की चर्चाओं का बाजार गर्म है।

अटकलें है कि भाजपा नेता प्रहलाद गुंजल के कांग्रेस में शामिल होने से एकता धारीवाल काफी खफा हैं।

- **चर्चा है कि, भाजपा नेता प्रहलाद गुंजल के कांग्रेस में आने से एकता नाराज़ हैं।**

उनको शिकायत यह है कि गुंजल को कांग्रेस में शामिल करने से पूर्व पार्टी ने उनके परिवार की राय तक लेना उचित नही समझा। जानकार सूत्रों के अनुसार, भाजपा में शामिल होने पर एकता जी को सम्मानजनक पद, जो कम से कम राज्य मंत्री स्तर का हो, देने का आश्वासन दिया गया है। इसके अतिरिक्त उनको या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना व कर्नाटक की जीत के बाद, कांग्रेस अब फिल्मी डायलॉग्स का भरपूर उपयोग कर रही है चुनाव अभियान में

लोकप्रिय फिल्मी डायलॉग्स का मैसेज देने के लिये उपयोग भाजपा ही नहीं कांग्रेस भी जमकर कर रही है

- **राहुल गांधी ने शोले के जाने-माने खलनायक गब्बर सिंह के नाम को काम में लिया, जी.एस.टी. को गब्बर सिंह टैक्स का नाम देकर।**
- **कांग्रेस ने शोले के जय (अमिताभ बच्चन) द्वारा उसके मित्र वीरू (धर्मेन्द्र) के बसंती (हेमामालिनी) के साथ विवाह का प्रस्ताव बसंती की मौसी के समक्ष प्रस्तुत करने के स्टाइल की कॉपी की है, कर्नाटक में मोदी को अविश्वास के योग्य नेता बताने के लिये।**

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अप्रैल। कर्नाटक और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी मैसेजेज़ एक शानदार आकर्षक और दिलकश प्रचार अभियान चलाया था। उसमें ''पे-टीम'' पेमैन्ट के जाने माने लोगों पर ''पे सीएम'' लिखकर तत्कालीन मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई का चरित्र चित्रण किया और हैदराबाद शहर के मध्य में एक विशाल होर्डिंग्स लगाकर उसके नीचे बड़ी कठपुतलियां लटकायीं गई, जिनके माध्यम से तेलंगाना के तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव को भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी की बी टीम बनाया गया था।

ये बेहद कौशलपूर्ण व माकूल चुनाव प्रचार एकदम सटीक रहा था और कांग्रेस को कर्नाटक और तेलंगाना में इसका सर्वाधिक लाभ मिला। वह दोनों राज्यों में सत्ता में आ गई। तेलंगाना में ये कांग्रेस पिछले कई वर्षों से सत्ता की दौड़ में बने रहने लायक भी नहीं थी। बाहरी नेताओं के साथ-साथ कांग्रेस के कुछ नेता भी मानते थे कि पार्टी यहां से कुछेक सीटें जीतने की स्थिति में भी नहीं है। एक समय तो ऐसा था जब बी.आर.एस. और भाजपा, दोनों ही तेलंगाना में सत्ता प्राप्ति के लिए आपस में ही सीधे मुकाबले की योजना बना रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने शांति से और पूरी मजबूती से इन दोनों की योजना विफल कर दी थी। भाजपा तो यह भी नहीं जान पायी कि वह कब चुनावी दौड़ से पूरी तरह बाहर हो गई।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का चुनाव प्रचार अभियान कुछ ऐसा है जिसे सोशल मीडिया पर अब तक कम ही देखा गया है। यह विधानसभा चुनावों में उसके सफल प्रचार मैसेजेज़ से प्रेरित है, जिनमें अत्यधिक लोकप्रिय मैसेजेज़ का उपयोग किया गया और इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक ऐसे अविश्वसनीय व्यक्ति के रूप में चित्रित करने के लिए जिस पर किसी को विश्वास नहीं करना चाहिए, क्लासिक फिल्म शोले की थीम ली गई है।

उसमें भी शोले के उस बेहद लोकप्रिय सीन की थीम ली गई है, जिसमें अमिताभ बच्चन (जय) हेमामालिनी (बसंती) की मौसी (लीला मिश्रा) से अपने दोस्त वीरू (धर्मेन्द्र) और बसंती की शादी की बात करते हैं और अपने दोस्त की सारी बुराईयों का बखान गुणों के रूप में करते हैं, लेकिन सहज ही है कि मौसी इस विवाह प्रस्ताव को मानने से स्पष्ट रूप से इंकार कर देती है।

उक्त थीम के नाट्य रूपान्तर वाले कांग्रेस के चुनाव प्रचार विज्ञापन में अमिताभ बच्चन की भूमिका निभाने वाला पात्र प्रधानमंत्री मोदी को नेता के रूप में सबसे अच्छा और योग्य उम्मीदवार बताता है और प्रधानमंत्री के गुणों की इस सकारात्मक अंदाज से प्रशंसा करता है कि उनके ये गुण मौसी को भयावह प्रतीत होते हैं।

कांग्रेस चुनाव प्रचार अभियान के इस विज्ञापन में अमिताभ बच्चन की भूमिका निभाने वाला व्यक्ति मौसी को एक सच्चे व्यक्ति (अपने मित्र) को वोट देने के लिए मनाने की कोशिश करता है और मौसी जब यह पूछती है कि उसके भतीजे को नौकरी कब मिलेगी तो वह स्पष्ट करता है कि बस एक बार दरभंगा का एम्स बन जाए तो फिर बहुत सी नौकरियां उपलब्ध हो जाएंगी। इस पर मौसी कहती है कि पिछले दस साल में तो अब तक कुछ भी नहीं हुआ। इसके बाद वह एक के बाद एक कारण गिनाते हुए कहता है कि उसका दोस्त एक बहुत ही अद्भुत व्यक्ति है। एक बार उसे 4 सौ सीटें मिल जाए फिर देखो हर किसी के लिए सब कुछ कितना अच्छा हो जाएगा। मोदी के लिए वह चुटकी लेते हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आप नेता संजय सिंह को जमानत मिली

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अप्रेल। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना की बैंच ने आप सांसद संजय सिंह को दिल्ली शराब घोटाले में जमानत दे दी। जमानत के कायदे व शर्तें ट्रायल कोर्ट द्वारा फिक्स किए जाएंगे।

- **सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के शराब घोटाले में संजय सिंह को जमानत दे दी। संजय सिंह पहले आप नेता हैं, जिन्हें इस मामले में जमानत मिली है।**

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संजय सिंह की जमानत को मिसाल के तौर पर नहीं लिया जा सकता है। आप नेता को जमानत इसलिए दी गई क्योंकि कोर्ट में ई.डी. ने कहा कि अगर आप नेता संजय सिंह को इस केस में जमानत